अध्याय - 8 लोकतंत्र की चुनौतियाँ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. लोकतंत्र की सबसे बड़ी चुनौतियाँ क्या है?
A. खाद्यान्न की व्यवस्था करना
B. उच्च शिक्षा की व्यवस्था करना
C. लोकतंत्र को सशक्त बनाना
D. जनसंख्या पर नियंत्रण
उत्तर - C. लोकतंत्र को सशक्त बनाना

२. लोकतांत्रिक देशों में फैसले और निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं ?
A. दबाव समूह द्वारा B. जनप्रतिनिधियों द्वारा
C. पदाधिकारियों द्वारा D. राजनीतिक दलों द्वारा
उत्तर - B. जनप्रतिनिधियों द्वारा

3. जनरल पिनोशे का संबंध किस देश से है ?
A. चीले B. मैक्सिको
C. पोलैंड D. अमेरिका
उत्तर - A. चीले

4. भारत में लोकतांत्रिक सरकार के कितने अंग है?
A. दो B. तीन
C. चार D. पाँच
उत्तर - B. तीन

5. लोकतंत्र किस को बढ़ावा नहीं देता है ?
A. समानता की भावना को B. राष्ट्रीय एकता को
C. विशेषाधिकार को D. धर्मनिरपेक्षता को
उत्तर - C. विशेषाधिकार को

6. एनक्रुमा कहां के राष्ट्रपति थे ?
A. घाना B. चीले
C. चीन D. पोलैंड
उत्तर - A. घाना

7. रंगभेद के खिलाफ नेलसन मंडेला द्वारा किस देश में आंदोलन चलाया गया था?
A. दक्षिण अफ्रीका B. बोलिविया
C. युगोस्लाविया D. अमेरिका
उत्तर - A. दक्षिण अफ्रीका

8. किस देश में लिट्टे नामक आतंकवादी संगठन का गठन किया गया था?
A. नेपाल B. पाकिस्तान
C. श्रीलंका D. म्यांमार
उत्तर - C. श्रीलंका

9. चीन में कौन सी शासन प्रणाली है?
A. साम्यवाद B. लोकतंत्र
C. राजतंत्र D. सैनिकतंत्र
उत्तर - A. साम्यवाद

10. चुनाव का खर्च किसे वाहन करना चाहिए?
A. दबाव समूह को B. राजनीतिक दल को
C. सरकार को D. हित समूह को
उत्तर - C. सरकार को

11. इनमें से कौन सा देश गैर लोकतांत्रिक देश है?
A. भारत B. इंग्लैंड
C. नेपाल D. म्यानमार
उत्तर - D. म्यानमार

12. इनमें से किस देश में महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं है?
A. भारत B. अमेरिका
C. इंग्लैंड D. सऊदी अरब
उत्तर - D. सऊदी अरब

13. चुनौतियाँ से लोकतांत्रिक व्यवस्था कैसी होती है?
A. कमजोर B. मजबूत
C. व्यवस्थित D. अव्यवस्थित
उत्तर - B. मजबूत

14. इनमें से किस देश में अप्रत्यक्ष लोकतंत्र है?
A. भारत B. अमेरिका
C. इंग्लैंड D. उपरोक्त सभी
उत्तर - D. उपरोक्त सभी

15. इनमें से कौन एक लोकतांत्रिक समस्या नहीं है?
A. क्षेत्रवाद B. आतंकवाद
C. तानाशाही D. राष्ट्रीय अखंडता
उत्तर - D. राष्ट्रीय अखंडता

16. इनमें से कौन विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है ?
A. फ्रांस B. भारत
C. अमेरिका D. इंग्लैंड
उत्तर - B. भारत

17. कौन सा कारक लोकतंत्र की चुनौती नहीं है?
A. देश प्रेम B. आतंकवाद
C. क्षेत्रवाद D. भ्रष्टाचार मुक्त
उत्तर - A. देश प्रेम

18. इनमें से कौन सा कदम लोकतांत्रिक सुधार का सूचक है?
A. शिक्षा B. सामाजिक समानता
C. पंचायती राज D. धर्मनिरपेक्षता
उत्तर - C. पंचायती राज

19. निम्नलिखित में से किस देश के समक्ष लोकतंत्र को माओवादियों की चुनौतियों का सामना करना पड़ा?
A. बांग्लादेश B. म्यानमार
C. श्रीलंका D. नेपाल
उत्तर - D. नेपाल

© JCERT not to be republished

20. वर्तमान में इनमें से किस देश में प्रत्यक्ष लोकतंत्र है?

A. स्विटजरलैंड B. जापान

C. अमेरिका D. फ्रांस

उत्तर - A. स्विटजरलैंड

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. चुनौती से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - वैसी समस्या जो महत्वपूर्ण हो और जिससे छुटकारा पाया जा सकता है। जिसमें आगे बढ़ने के अवसर छुपे हों, उसे चुनौती कहते हैं।

2. अब्राहम लिंकन के द्वारा लोकतंत्र की क्या परिभाषा है ?

उत्तर - अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र "जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा शासन व्यवस्था है।"

3. लोकतांत्रिक सुधार किसे कहते हैं ?

उत्तर – लोकतंत्र की विभिन्न चुनौतियों के बारे में दिए गए सभी सुझाव या प्रस्ताव लोकतांत्रिक सुधार कहे जाते हैं।

4. पाकिस्तान एक लोकतांत्रिक देश क्यों नहीं है? कारण बताएं?

उत्तर - पाकिस्तान में चुनाव अवश्य होते हैं परंतु सर्वोच्च सत्ता सेना के अधिकारियों के पास रहती है। लीगल फ्रेमवर्क ऑर्डर के अनुसार राष्ट्रपति जब चाहे राष्ट्रीय और प्रांतीय असेम्बली को भंग कर सकता है।

5. क्या सऊदी अरब एक प्रजातांत्रिक देश है ?कारण बताएं?

उत्तर - सऊदी अरब एक लोकतांत्रिक देश नहीं है क्योंकि सऊदी अरब के शाह, लोगों द्वारा शासक नहीं चुने जाते। वरन शाही परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें यह अधिकार वंशानुगत रूप में मिल जाता है। सऊदी अरब में महिलाओं को वोट देने का अधिकार भी नहीं है जो लोकतंत्र की समानता के नियमों की अवहेलना है।

6. क्या कानून बनाकर राजनीति को सुधारना ठीक है?

उत्तर - नहीं, केवल कानून बनाने से सुधार लाना लाभकारी नहीं है। कानून अवश्य सुधार कार्य में सहायक होते हैं। परंतु इसके साथ-साथ राजनीतिक दलों, आंदोलनों और जागरूक नागरिकों के प्रयत्न और सहयोग की भी आवश्यकता होती है।

7. क्या आप भारत को लोकतांत्रिक प्रशासन के योग्य समझते हैं?

उत्तर - भारत एक बड़ा देश है। जहां विभिन्न जाति समुदाय के लोग रहते हैं ।अतः सर्वसुरक्षा, सर्वहित के लिए भारत को लोकतांत्रिक होना चाहिए।

8. जनसामान्य ने की मूलभूत आवश्यकताएं क्या है?

उत्तर - भोजन, वस्त्र, आवास तथा शिक्षा जन सामान्य की मूलभूत आवश्यकताएं है।

9. जनता को राजनीतिक दल कैसे प्रभावित करते हैं?

उत्तर - विभिन्न प्रकार की जनहित योजनाएं एवं कार्यक्रम प्रस्तुत कर राजनीति दल जनता को प्रभावित करते हैं।

10. लोकतांत्रिक सुधारों के मुख्य बिंदु क्या होनी चाहिए?

उत्तर - लोकतांत्रिक सुधार के मुख्य बिंदु चुनौतियों का समाधान होना चाहिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र का प्रतिद्वंदी कौन है?

उत्तर - किसी क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए प्रतिद्वंदी उनका होना आवश्यक है ।लोकतंत्र एक विश्वव्यापी शासन प्रक्रिया है। पग-पग अनेक चुनौतियां जैसे आतंकवाद, क्षेत्रवाद, संप्रदायवाद, भाषावाद इत्यादि चुनौतियां प्रतिद्वंदी बनकर लोकतंत्र के सामने उपस्थित हो जाती है।

2. संप्रदायवाद लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है, कैसे?

उत्तर - संप्रदायवाद के कारण विभिन्न धर्मों के लोग परस्पर एक दूसरे के धर्म के प्रति द्वेष का भाव रखने लगते हैं ।जिसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को खतरा उत्पन्न हो जाता है। धार्मिक कट्टरता के परिणाम स्वरूप एक धर्म के लोग दूसरे धर्म के लोगों के साथ घृणा का भाव रखते है। यह स्थिति गृह युद्ध की स्थिति में तब्दील हो सकती है। अतः यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है।

3. लोकतंत्र की सफलता के लिए शिक्षा का प्रसार क्यों जरूरी है?

उत्तर – शिक्षा से लोगों के भीतर नई चेतना पैदा होती है। लोग अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक होते हैं। लोगों में यह जागरूकता सभी क्षेत्रों में दिखलाई पड़ती है, जैसे राजनीतिक क्षेत्र में। शिक्षित व्यक्ति अपने लिए योग्य प्रतिनिधि का चुनाव कर सकते हैं और शासन की प्रक्रिया में अपनी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। शिक्षित व्यक्ति सत्ता पर आते हैं तो वे देश का संचालन सही तरीके से कर सकते हैं। लोगों के लिए सही निर्णय एवं कानूनों का निर्माण कर सकते हैं। देश को विकास के कगार पर आगे बढ़ा सकते हैं ।इसलिए लोकतंत्र की सफलता के लिए शिक्षा का प्रसार बहुत जरूरी है।

4. भारतीय लोकतंत्र में निरक्षरता का क्या प्रभाव है?

उत्तर - भारतीय लोकतंत्र में निरक्षरता का प्रभाव-:

1. अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के बारे में जागरूक नहीं हो पाते हैं।
2. अपने मतदान का सही उपयोग नहीं कर पाते हैं।
3. वे लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं विकास के लिए घातक है ।
4. वे सरकार की योजनाओं के बारे में न जानकर उसका लाभ नहीं ले पाते हैं।
5. देश के विकास कार्य में भागी नहीं होते हैं।
6. निरक्षरता के कारण गरीबी और पिछड़ापन जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

5. भारत में लोकतांत्रिक अधिकारों की चर्चा करें?

उत्तर - लोकतांत्रिक अधिकार का तात्पर्य उन व्यवस्थाओं से है जिनमें नागरिकों को शासन के कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होता है ।लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में अधिकारों का महत्व अधिक है। उनके प्रमुख लोकतांत्रिक अधिकार-:

1. मतदान का अधिकार
2. निर्वाचित होने का अधिकार
3. प्रार्थना पत्र देने का अधिकार
4. कानून के समक्ष समता का अधिकार
5. सरकार की आलोचना करने का अधिकार

6. लोकतंत्र को मजबूत करने में एक आम आदमी किस प्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है? स्पष्ट करें?

उत्तर - विश्व के जिन देशों में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है उसके सामने लोकतंत्र को मजबूत करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्य पद्धति को सुधारना तथा मजबूत करना ताकि लोगों की भागीदारी और नियंत्रण में वृद्धि हो। कोई भी फैसला लेने की प्रक्रिया में अमीरों, बाहुबली,पूंजीपतियों या प्रभावशाली लोगों के नियंत्रण के प्रभाव को कम करने की जरूरत है। लोकतंत्र को मजबूत करने में चाहे अमीर हो या गरीब सभी व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है । लोकतंत्र में एक व्यक्ति एक वोट की प्रणाली है, और एक व्यक्ति का वोट बहुत महत्वपूर्ण होता है। सरकार के निर्माण में सभी व्यक्तियों की भूमिका समान होती है।

© JCERT not to be republished

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र के समक्ष कौन-कौन सी चुनौतियां है?

उत्तर – लोकतंत्र के समक्ष चुनौतियां-:

1. **निरक्षरता-** अशिक्षित जनता कभी भी एक सशक्त लोकतंत्र बनाने में योगदान नहीं दे सकता है। यह समस्या देश के साथ आजादी के समय से है।
2. **गरीबी-** बढ़ती गरीबी की समस्या लोकतंत्र की सबसे बड़ी चुनौती है।आर्थिक विकास के लिए यह जरूरी है कि देश की जनता के बीच अमीरी और गरीबी की खाई कम से कम हो।
3. **संप्रदायिकता-** संप्रदायिकता एक ऐसी बाधा है,जिसके अनुसार समाज के कुछ लोग केवल अपने हितों को साधने के कारण लोकतंत्र की परवाह नहीं करते हैं। धार्मिक समुदाय के रूप में बंट जाते हैं।
4. **जातिवाद-** अनादि काल से भारत में जातिगत व्यवस्था रही है। जातिवाद के कारण तो समाज के लोग खुद को एक दूसरे से अलग मानते हैं और लोकतंत्र सशक्त नहीं हो पाता है।

   लोकतंत्र के समक्ष निरक्षरता, गरीबी, महिलाओं से भेदभाव, कट्टरता, जातिवाद, संप्रदायिकता आदि को खत्म करने की चुनौतियां है। गरीबी, स्वास्थ्य देखभाल, कम साक्षरता दर, अधिक जनसंख्या बेरोजगारी भारत के अधिकांश हिस्सों में व्याप्त है जो राष्ट्रीय प्रगति में बाधा है।भारतीय समाज में जाति और लैंगिक भेदभाव जारी है जिससे उन्नति और विकास धीमा हो रहा है।

2. लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्तों का वर्णन करें?

उत्तर – लोकतंत्र की सफलता के लिए आवश्यक शर्त निम्नलिखित है -:

1. जनता में शिक्षा तथा जागरूकता लाकर एक लोकतंत्र को मजबूत बनाया जा सकता है। अतः जनता को जागरूक करने के लिए और शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के लिए सरकार को विभिन्न अभियान चलाए जाने चाहिए।
2. आर्थिक तथा राजनीतिक समानता द्वारा भी श्रेष्ठ लोकतंत्र की नींव रखी जा सकती है।इसके लिए सभी तरह के नागरिकों को राजनीति में शामिल करने के लिए और राजनीतिक सिद्धांतों और निर्णय में पारदर्शिता लाई जा सकती है।
3. सामाजिक एकता और एकजुटता के द्वारा भी लोकतंत्र की सफलता प्राप्त की जा सकती है। इसमें सामाजिक एकता को बल दिया जा सकता है।जिससे सभी एक उद्देश्य के लिए कार्य करें।
4. स्वस्थ तथा जागरूकता राजनीतिक दल एक लोकतंत्र की सफलता के लिए बहुत ही आवश्यक है। इस तरह जागरूक राजनीतिक दल सकारात्मक रूप से अपनी जनता को भी जागरूक कर सकते हैं।
5. स्वतंत्र प्रेस तथा प्रचार के साधनों का प्रयोग करके भी लोकतंत्र की सफलता को सुनिश्चित किया जा सकता है।
6. शांति और व्यवस्था लोकतंत्र की सफलता के लिए बहुत जरूरी है।
7. अल्पसंख्यक समूह के हित में पर्याप्त महत्व देने की भी आवश्यकता है
8. लोकतांत्रिक अधिकार सिर्फ वोट देने, संगठन बनाने और चुनाव लड़ने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि नागरिकों को कुछ सामाजिक तथा आर्थिक अधिकार मिलने चाहिए।

3. लोकतंत्र को अर्थपूर्ण बनाने के लिए नागरिकों को भली प्रकार अवगत होना और सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी होना क्यों आवश्यक है?

उत्तर - लोकतंत्र को अर्थपूर्ण बनाने के लिए नागरिकों को भली प्रकार अवगत होना और सामाजिक दृष्टि से उत्तरदायी होना बड़ा आवश्यक है इसके मुख्य कारण निम्नलिखित है–

1. **नागरिकों की प्रजातंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका–** लोकतंत्र जनता द्वारा निर्मित और लोगों के लिए शासन है। इससे स्पष्ट होता है कि लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है क्योंकि नागरिक ही देश के शासक का चुनाव करते हैं। इसलिए नागरिकों को उत्तरदायी सरकार का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ती है।
2. **मौलिक अधिकारों के संरक्षण–** लोकतंत्र के नागरिकों को मौलिक अधिकार दिया गया। ताकि लोकतंत्र में किसी के साथ भेदभाव ना हो। मौलिक अधिकारों के संरक्षण के लिए न्यायपालिका की भी व्यवस्था की गई है।
3. **एक स्वच्छ समाज का निर्माण–** समाज में विभिन्न बुराइयां है, जैसे दहेज प्रथा जाति प्रथा, स्त्रियों से दुर्व्यवहार इत्यादि। लोकतंत्र इससे ऊपर उठकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण का उत्तरदायित्व अपने हाथों में लेता है क्योंकि देश का शासक बिना भेदभाव वाले कानूनों का निर्माणकर्ता होता है।

© JCERT not to be republished